वनों द्वारा कृषि-खाद्य प्रणालियों का परिवर्तन

प्रिलिम्स के लिये:

FAO, संयुक्त राष्ट्र, वनों की कटाई

मेन्स के लिये:

खाद्य सुरक्षा, सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (FAO) ने वनों की कटाई, मवेशी चराई और फार्म स्कूलों पर एक रिपोर्ट जारी की है।

- FAO ने ग्लोबल लैंडस्केप फोरम डिजिटल फोरम ट्रांसफॉर्मिंग एग्रीफूड सिस्टम्स विद फॉरेस्ट्स में यह रिपोर्ट जारी की।
- **एक फार्मर्स फील्ड स्कूल किसानों, पशुधन चरवाहों या मछुआरों के समूह** को एकजुट करता है ताकि वे जटिल कृषि-पारिस्थितिकी प्रणालियों को बेहतर ढंग से समझकर और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बढ़ाकर अधिक टिकाऊ उत्पादन पद्धतियों में बदलने की प्रक्रिया को समझ सकें।

रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु:

- **वैश्विक आबादी की खाद्य सामग्रियों की मांग वर्ष 2050 में वर्ष 2012 की तुलना में 50% अधिक होगी।**
- **फसल और पशुधन उत्पादन के लिये 165 से 600 मिलियन हेक्टेयर अधिक भूमि की आवश्यकता होगी,** जिसमें से अधिकांश वर्तमान में जंगलों और अन्य महत्त्वपूर्ण पारिस्थितिकी प्रणालियों द्वारा कवर किये हुए हैं।
- वर्ष 2000 और 2018 के बीच वैश्विक वनों की कटाई का लगभग 90% कृषि विस्तार के कारण था।
  - यह कार्बन अनुक्रमण और **जैवविविधता जैसी संबद्ध पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को नकारात्मक** रूप से प्रभावित करता है।
- **FAO के ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज़ असेसमेंट 2022** के अनुसार, दुनिया ने पिछले **दो दशकों में 420 मिलियन हेक्टेयर** जंगलों का विनाश कर दिया है।
- वनोन्मूलन की दर को धीमा करने के लिये वन महत्त्वपूर्ण हैं, जो 2000-2010 तक प्रतिवर्ष 11 मिलियन हेक्टेयर था।

सुझाव:

- **'वनोनुकूल' खाद्य उत्पादन:**
  - यही समय है कि कृषि और वनों के बीच तालमेल के **आधार पर टिकाऊ वैश्विक कृषि खाद्य प्रणालियों का निर्माण** किया जाए जो दोनों क्षेत्रों के को फायदेमंद परिणाम प्रदान करें।
  - सरकारों को इस दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है कि वे **इस प्रकार की कृषि को अधिक प्रोत्साहित करें जिसमे वनों और जैवविविधता पर प्रभाव कम पड़े तथा उत्पादन** भी अच्छी हो।
  - **सरकारों को छोटे जोत वाले किसानों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है,** जो दुनिया के लगभग 35% खाद्यान का उत्पादन करते हैं, लेकिन अक्सर गरीबी में रहते हैं और अपने कृषि विधि के तरीके को बदलने के बाद होने वाली आय उनकी लागत को वहन करने हेतु पर्याप्त नहीं होती है।
- **निम्नीकृत भूमि का पुनरुद्धार:**
  - उचित रूप से **एकीकृत चराई खराब भूमि में वृक्षारोपण** करने से मरुस्थलीकरण और शुष्क भूमि में वनाग्नि की रोकथाम में सुधार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।
    - शुष्क भूमि, लगभग 25% वैश्विक जनसंख्या का घर है, जिसमें दुनिया के **50% पशुधन**, दुनिया के **27% वन** हैं और जहाँ दुनिया का लगभग **60% खाद्य** उत्पादन होता है।
    - Drylands are home to about **25% of the global population**
  - सिल्वोपास्ट्रोलिज़्म भूमि क्षरण को रोककर स्थानीय समुदायों की खाद्य सुरक्षा और आय को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है।

- शुष्क भूमि में पौधे पशु चारा, लकड़ी और फल प्रदान करते हैं, साथ ही जैवविविधता को बढ़ाने एवं मृदा व जल चक्र को विनियमित करने में मदद करते हैं।
- साथ ही **पशुओं को चराने से वनस्पति को नियंत्रित करने,** जंगल की आग के जोखिम को कम करने, पोषक चक्र में तेज़ी लाने और मृदा की उर्वरता में सुधार करने में मदद मिलती है।

- **समाधान का हिस्सा:**
  - एग्रोफोरेस्ट्री का उपयोग करते हुए एक एकीकृत परिदृश्य दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में परिदृश्य योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं को पशुधन को समाधान के रूप में देखना चाहिये तथा वृक्ष आवरण (जब पेड़ का कवर 30 और 70% के बीच हो) को सावधानीपूर्वक बहाल करना चाहिये।

खाद्य और कृषि संगठन (FAO):

- **परिचय:**
  - खाद्य और कृषि संगठन (Food and Agriculture Organization- FAO) संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक विशेष एजेंसी है जो भूख को समाप्त करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करती है।
  - प्रत्येक वर्ष विश्व में 16 अक्तूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है।
  - खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ के तहत की गई थी।
  - यह संयुक्त राष्ट्र के खाद्य सहायता संगठनों में से एक है जो रोम (इटली) में स्थित है। इसके अलावा विश्व खाद्य कार्यक्रम और कृषि विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय कोष (IFAD) भी इसमें शामिल हैं।
- **पहल:**
  - विश्व स्तर पर महत्त्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली (GIAHS)।
  - विश्व में मरुस्थलीय टिड्डी की स्थिति पर नज़र रखना।
  - कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन या CAC संयुक्त रुप से FAO/WHO के खाद्य मानक कार्यक्रम के कार्यान्वयन के संबंध में सभी मामलों के लिये ज़िम्मेदार निकाय है।
- खाद्य और कृषि के लिये पादप आनुवंशिक संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संधि।

फ्लैगशिप पब्लिकेशन (Flagship Publications):

- वैश्विक मत्स्य पालन और एक्वाकल्चर की स्थिति (SOFIA)।
- विश्व के वनों की स्थिति (SOFO)।
- वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (SOFI)।
- खाद्य और कृषि की स्थिति (SOFA)।
- कृषि कोमोडिटी बाज़ार की स्थिति (SOCO)।
- विश्व खाद्य मूल्य सूचकांक

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

Q. FAO पारम्परिक कृषि प्रणालियों को 'सार्वभौमिक रूप से महपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली (Globally Important System 'GIAHS)' की हैसियत प्रदान करता है। इस पहल का संपूर्ण लक्ष्य क्या है?

1. अभिनिर्धारित GIAHS के स्थानीय समुदायों को आधुनिक प्रौद्योगिकी, आधुनिक कृषि प्रणाली का प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता प्रदान करना जिससे उनकी कृषि उत्पादकता अत्यधिक बढ़ जाए।
2. पारितंत्र-अनुकूली परम्परागत कृषि पद्धतियां और उनसे संबंधित परिदृश्य (लैंडस्केप), कृषि जैव विविधता और स्थानीय समुदायों के ज्ञानतंत्र का अभिनिर्धारण एवं संरक्षण करना।
3. इस प्रकार चिह्नित अभिनिर्धारित GIAHS के सभी भिन्न-भिन्न कृषि उत्पादों को भौगोलिक सूचक (जिओग्राफिकल इंडिकेशन) की हैसियत प्रदान करना।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/transforming-agrifood-systems-with-forests